विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण दिनांक 9 जुलाई 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पांडे

स्मरणीयम्

1 संस्कृत भाषा में 3 लिङ्ग् होते हैं पुलिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसकलिंग
2 प्रत्येक लिंग के शब्द रूप अलग-अलग चलते हैं।
3 जिन शब्दों के अंतिम अक्षर एक समान होते हैं उनके दिन के प्रत्येक रूप एक जैसे चलते हैं।
4 एक शब्द के रूप को देखकर उनके जैसे अन्य शब्दों के रूप लिखे जा सकते हैं जैसे अकारांत पुलिंग शब्द 'देव" के रूप के समान हो, अन्य आकारांत पुलिंग शब्दों के रूप लिखे जाते हैं।
5 उसी प्रकार पुलिंग तथा नपुंसकलिंग शब्दों के रूप लिखे जाते हैं

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्नाः।

1 'हरि'सदस्य पंचमी विभक्तौ एकवचने रुपं भवति –

(अ)हर्षो (ब) हरेः (स) हरिणाम् (द) हरिषू

2 ' साधु' शब्दस्य षष्ठी विभक्तौ द्विवचने रुपं भवति-

(अ)साधुभ्याम (ब)साधुभ्यः (स) साध्वोः (द) साधू

3 'निशा' शब्दस्य चतुर्थी विभक्तौ बहुवचने रुपं भवति-

(अ)निशायै (ब)निशानाम् (स) निशासु (द)निशाभ्यः

4 'पितृ' शब्दस्य द्वितीया विभक्तौ द्विवचनेरुपं भवति।

(अं) पितरौ (ब) पितारौ (स)पित्रौः (द)पितरः

5 'सुधी' शब्दस्य तृतीया विभक्तौ एकवचने रुपं भवति।

(अ)सुध्या (ब) सुधियः (स) सुधिया (सुधियि